Seventeenth Loksabha

pan>

Title: Regarding running of railway trains in Nagaur Parliamentary Constituency, Rajasthan.

श्री हनुमान बेनीवाल (नागौर): माननीय अध्यक्ष महोदय, सबसे पहले मैं आपको धन्यवाद दूँगा कि आपने मुझे एक महत्वपूर्ण विषय पर बोलने का मौका दिया।

हमारे यहाँ वर्षों से एक ट्रेन संचालित हो रही है। पिछली सरकार ने इस ट्रेन का नाम लीलण एक्सप्रेस रखा था। लीलण, वीर तेजाजी महाराज, जिन्होंने एक हजार साल पहले गायों के लिए कुर्बानी दी, की घोड़ी थी। जब उनका बलिदान हुआ, तो ढाई-तीन सौ किलोमीटर उनके गांव पहुंचकर वह सती हुई थी।

ट्रेन संख्या 12467 / 12468 जैसलमेर-बीकानेर-नागौर-जयपुर रूट पर संचालित होती आ रही थी। रेलवे बोर्ड ने नयी समय सारणी में मार्ग परिवर्तन का प्रस्ताव दिया, जो एक गलत निर्णय है। उक्त ट्रेन जयपुर से कूचामन-मकराना-डेगाना-मेड़ता-मुंडवा-नागौर-नोखा-बीकानेर-जैसलमेर मार्ग पर चलती थी। इस ट्रेन में सैंकड़ों लोग, कर्मचारी और सेना के जवान आवागमन करते हैं। धार्मिक पर्यटन और सामरिक दृष्टि से भी यह मार्ग महत्वपूर्ण है। इसलिए आप तत्काल प्रभाव से संबंधित अधिकारी को निर्देशित करें।

अध्यक्ष महोदय, यह ट्रेन पहले नागौर से गुजरती थी। अब इसके रूट को चेंज कर दिया है, विशेषकर तेजाजी महाराज की जन्मस्थली नागौर है, उनकी घोड़ी के नाम पर ही इस ट्रेन का नाम लीलण एक्सप्रेस रखा गया था, इसलिए इससे लोगों की जन-भावनाएं जुड़ी हैं।

अत: मेरा आपके माध्यम से मंत्री जी से निवेदन है - मैं उनसे बात भी करूंगा – कि वे इस रूट पर पुन: इस ट्रेन को चालू करवाएं, क्योंकि अपनी सरकार के समय इस ट्रेन का नाम लीलण एक्सप्रेस रखा गया था। लोगों के अंदर इसको लेकर भारी आक्रोश है, मैं निवेदन करता हूं कि लीलण एक्सप्रेस को पुन: नागौर जिले के अंदर से होते हुए जयपुर आने वाले रूट पर चलाएं।

इसका एक फायदा यह है कि लोग उधर से आते हैं और शाम को वापस उनको गंतव्य तक पहुंचाने के लिए दो ट्रेन्स चलती हैं। इससे जैसलमेर से जयपुर आने-जाने में सुविधा रहती है। मेरा आपसे यह निवेदन रहेगा कि आप सरकार को इस बारे में सूचित करें। धन्यवाद।

माननीय अध्यक्ष:

श्री मलूक नागर को श्री हनुमान बेनीवाल द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।